कृषि (कोड सं. 68)

सदियों से इस देश की अर्थव्यवस्था के लिए कृषि प्रमुख उद्यम रहा है और इसी कारण भारत को कृषि प्रधान देश कहा जाता है। यह क्षेत्र इस देश के लोगों को अधिकतम रोजगार भी प्रदान करता है। कृषि आरंभ से ही खाद्य और रेशा (फाइबर) का उत्पादक है, इसके स्वरुप में अनेक परिवर्तन आए हैं। कृषि में 1960 के दशक के दौरान मील का पत्थर आया जब देश हरित क्रांति का साक्षी बना, जिससे फसल के उत्पादन में वृद्धि हुई। कम आवधिक फसल की प्रजातियाँ, उर्वरक, कीटनाशक एवं कृषि उपकरणों का उपयोग तथा सिंचित क्षेत्र का विस्तार कृषि में महत्त्वपूर्ण बदलाव थे। भारत में पशुधन कृषि का एक अभिन्न अंग है। उनके उत्पाद का उपयोग पादप संरक्षण के साथ मिट्टी को उपजाऊ बनाने और उपजाऊ बनाए रखने के लिए किया जाता है। पशु उत्पाद जैसे - मांस, दूध और अंडे मानव आहार में पोषक तत्त्वों का स्रोत भी हैं।

जैविक कृषि और पशुपालन व्यवसाय जैसे समकालीन कृषि के कई उभरते आयामों की ओर अब ध्यान दिया जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य वृद्धि और संरक्षण हाल के दिनों में नीतियों के निर्माण का केंद्र रहा है जो कृषि में अपव्यय को कम करने में सहायक हैं। इससे मूल्य वर्धित उत्पादों के विपणन के माध्यम से बेहतर आय प्राप्त करने में मदद मिल रही है। मशरूम उत्पादन, जैव कीटनाशक, मधुमक्खी पालन, कृमि संवर्धन आदि जैसे पूरक उद्यमों को जोड़कर कृषि से आय भी बढ़ाई जा सकती है।

उदेश्य :

वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर कृषि शिक्षण के उद्देश्य हैं :

- कृषि के तथ्यों और महत्त्व को समझने के लिए विद्यार्थियों की सहायता करना।
- विद्यार्थियों को फसल उत्पादन, पशुपालन, बागवानी आदि से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों को कृषि में अपशिष्ट प्रबंधन और भौतिक वातावरण से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों के समक्ष कृषि और इसकी सहायक गतिविधियों से बेहतर आय प्राप्त करने और राजस्व पैदा करने के तरीकों को उद्घाटित करना।

कक्षा XI (2017-18)

(सैद्धांतिक)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र **70 अंक**

इकाईवार अधिभार **समयावधि : 3 घंटे**

खंड	इकाई	कालांश	अंक
I. **भाग - क**	**कृषि और फसल उत्पादन** • इकाई I : क्षेत्र और महत्त्व • इकाई II : भौतिक वातावरण • इकाई III : कृषि अर्थशास्त्र और फसल उत्पादन	 5 40 40	30
भाग - ख	**आनुवंशिकी और पादप प्रजनन** • इकाई IV : आनुवंशिकी और पादप प्रजनन	30	15
II.	**पशुधन उत्पादन** • इकाई V : क्षेत्र और महत्त्व • इकाई VI : देखभाल और प्रबंधन • इकाई VII : जैव अपशिष्ट प्रबंधन और सरकारी योजनाएँ	10 40 05	25
III.	**प्रयोगात्मक**	50	30
	योग	**220**	**100**

खंड - I

भाग क - कृषि और फसल उत्पादन **कालांश योग - 85**

इकाई - I : क्षेत्र और महत्त्व **05 कालांश**

- कृषि की परिभाषा, इसकी शाखाएँ
- राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के क्षेत्र

इकाई - II : भौतिक वातावरण **40 कालांश**

1. जलवायु और मौसम, मौसम के तत्व, वर्षा, तापमान, आर्द्रता, पवन, धूप, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक उष्णन, विभिन्न मौसम विज्ञान संबंधी उपकरणों का परिचय।
2. मृदा, मृदा की बनावट, संरचना और उसके प्रकार; वितरण एवं क्षेत्र।
3. मृदा अपरदन एवं मृदा संरक्षण, समस्या ग्रसित अम्लीय और क्षारीय भूमि सुधार की प्रक्रिया।
4. जुताई की परिभाषा और प्रकार, संरक्षण की अवधारणा और जुताई।

इकाई - III : कृषि अर्थशास्त्र और फसल उत्पादन **40 कालांश**

1. कृषि अर्थशास्त्र, कृषि क्षेत्र में सहकारी प्रणाली, फसल बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि उत्पादों का विपणन (आपूर्ति श्रृंखला, खुदरा, थोक) बाजार।
2. धान, गेहूँ, मक्का, सरसों, सूरजमुखी, सोयाबीन, मूँगफली, चना, अरहर, मटर, जूट, गन्ना, ज्वार और बाजरा के फसलों की खेती में कृषि क्रियाओं के संकुल जैसे- महत्त्वपूर्ण प्रजातियाँ, बीज दर, बोने का समय, कृषि शल्य क्रियाएँ (निराई-गुड़ाई आदि), उपज और विपणन।
3. फलों की खेती में कृषि क्रियाओं के संकुल : आम, केला, अमरूद, नींबू, अंगूर, सेब, अनार। सब्जियाँ : आलू, टमाटर, गोभी, पत्तागोभी, पालक, बैंगन, घीया, कद्दू, खीरा। फूल : गुलाब, ग्लेडियोलस, गेंदा।
4. बीज शैया तैयार करने के प्रकार और शोधन/प्रमाणीकरण, पौध संवर्धन/प्रजनन की विधियाँ - दाब एवं कलम लगाना, ऊतक संवर्धन।
5. महत्त्वपूर्ण कृषि उपकरण और उनका सामान्य रख-रखाव।

भाग - ख : आनुवांशिकी और पादप प्रजनन **30 कालांश**

इकाई - IV : आनुवांशिकी और पादप प्रजनन

1. कोशिका और इसकी सरंचना, कोशिका विभाजन - समसूत्री एवं अर्धसूत्री विभाजन तथा पौधों की वृद्धि व विकास में उनका महत्त्व।
2. डी.एन.ए., आर.एन.ए. का परिचय और उनमें अंतर।
3. पादप प्रजनन में आनुवांशिकी की भूमिका, स्व-परागण और पर-परागण फसलें, कृषि फसलों में प्रजनन के तरीके - परिचय, चयन, संकरण, उत्परिवर्तन।
4. मेंडल के वंशानुक्रम के नियम, मेंडल के प्रयोगों का उदाहरणात्मक वर्णन, पादप प्रजनन में उसका महत्त्व।

खंड - II : पशुधन उत्पादन **कालांश योग 55**

इकाई - V : क्षेत्र और महत्त्व **10 कालांश**

(क) कृषि में पशुधन का महत्त्व, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और पोषण संबंधी सुरक्षा।

(ख) महत्त्वपूर्ण पशु आधारित खाद्य उत्पाद और हमारे आहार में उनकी भूमिका

(ग) मवेशियों, भैंस और कुक्कुट की महत्त्वपूर्ण देशी एवं विदेशी नस्लें, उनके उत्पाद (दुग्ध, मांस और अंडों) का गुणात्मक एवं मात्रात्मक उत्पादन विवरण।

(घ) दूध खरीद और दूध के कीमत की सहकारी प्रणाली के आनंद प्रतिमान की अवधारणा। भारत में दूध का विपणन।

इकाई - VI : देखभाल और प्रबंधन **40 कालांश**

(क) पशु शरीर संरचना और कार्यप्रणाली।

(ख) कुक्कुटों के आहार सहित चरागाह और गौशाला में पशु आहार की अवधारणा।

(ग) आहार का सिद्धांत, आहार/चारा खिलाने के विधियाँ; महत्त्वपूर्ण चारे की फसलें; साइलेज एवं हे तैयार करना, संतुलित अनुपात : परिभाषा और संघटक।

(घ) दुधारू पशु और कुक्कुट का आवास

(ड.) बछड़ा, बैल, गर्भिणी और दुधारू पशुओं एवं चूजा और अंडा देने वाली मुर्गियों का प्रबंधन।

(च) दूध और अंडो का उत्पादन।

(छ) हाथ एवं मशीन से दूध निकालने की पद्धति। इन दोनों विधियों के महत्त्वपूर्ण विवेचन।

(ज) स्वच्छ दुग्ध उत्पादन, प्रसंस्करण, पाश्चरीकरण एवं दुग्ध पैकिंग की अवधारणा। दूध से निर्मित मूल्य वर्धित उत्पाद।

(झ) रोग प्रबंधन और टीकाकरण के नियम।

(ञ) बीमार पशुओं के लक्षण, पशुओं व कुक्कट में सामान्य बीमारियों के लक्षण - पशु प्लेग, लँगड़िया, मुँह पका खुर पका, थनैला, रक्तस्रावी जहरबाद, सलमोनेलोसिज़, बर्ड फ्लू, फ़ॉवल पॉक्स एवं रानीखेत बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण।

इकाई - VII : जैव अपशिष्ट प्रबंधन और सरकारी योजनाएँ **5 कालांश**

(क) जैव-कचरे और बायोगैस संयंत्र में पशु अपशिष्ट का उपयोग

(ख) भारत में पशुधन, डेयरी और कुक्कुट पालन के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण सरकारी योजनाएँ। उनकी महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ और पात्रता मानदंड।

कृषि (कोड सं. 068)

कक्षा XI (2017-18)

(प्रायोगिक)

एक प्रश्नपत्र **30 अंक**

इकाईवार अधिभार **समयावधि : 3 घंटे**

खंड	इकाई	कालांश	अंक
I	भाग - क : कृषि और फसल उत्पादन	30	12
	भाग - ख : आनुवांशिकी, पादप प्रजनन और सूक्ष्मजैविकी	-	-
II	पशुधन प्रायोगिक	20	8
	भ्रमण प्रतिवेदन	-	05
	मौखिक परीक्षा	-	05
	योग	**50**	**30**

खंड - I

भाग - क : कृषि और फसल उत्पादन

1. कृषि और फसल उत्पादन - प्रायोगिक

(क) एक फसल लगे खेत का भ्रमण। खेत में लगे विभिन्न प्रकार की फसलों की पहचान करना और उस पर प्रतिवेदन तैयार करना।

(ख) विभिन्न कार्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न कृषि औज़ारों की पहचान करना, उनका चित्र बनाना व प्रतिवेदन तैयार करना।

(ग) विभिन्न फसलों के बीजों की पहचान करना।

(घ) बीज अंकुरण परीक्षण (दो अनाज, दो दालें, दो सब्जियाँ, दो फूल)

(ड) एक हेक्टर जमीन में उत्पन्न गेहूँ की फसल की उत्पादन लागत की गणना करना और उस पर प्रतिवेदन तैयार करना।

(च) किसी फल के बाग में जाना और विभिन्न फलों की फसल की पहचान करना और प्रतिवेदन तैयार करना।

(छ) महत्त्वपूर्ण सब्जी की फसलों की पहचान करना और प्रतिवेदन तैयार करना।

(ज) महत्त्वपूर्ण फूल की फसलों की पहचान करना।

(झ) बागवानी विन्यास, गड्ढा खोदना और किसी एक फल की फसल की रोपाई करना।

(ञ) भूमि तैयार करना और क्यारी में गेहूँ की फसल की बीज की बुवाई करना।

खंड - II

2. पशुधन - प्रायोगिक

(क) दुधारू पशुओं और कुक्कुट के शरीर के विभिन्न अंगो की पहचान करना।

(ख) गाय, भैंस, कुक्कट की सामान्य नस्लों की पहचान करना।

(ग) पशुओं का पालन एवं नियंत्रण करना।

(घ) दूध वसा तथा एस.एन.एफ. (दूध में ठोस पदार्थ की मात्रा) का परीक्षण करना।

(ड.) एक स्थानीय पशु चिकित्सालय का भ्रमण करना तथा एक बीमार पशु का निरीक्षण करना एवं प्रतिवेदन तैयार करना।

(च) पशु और कुक्कट के लिए राशन की गणना करना और प्रतिवेदन तैयार करना।

(छ) दूध प्रसंस्करण संयंत्र का भ्रमण तथा दूध एवं दुग्ध उत्पादों के विक्री केंद्रों हेतु विक्रय/निकासी का प्रतिवेदन तैयार करना। विभिन्न प्रकार के दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण और बिक्री का प्रतिवेदन तैयार करना।

(ज) आहार/चारा, चारा फसल और घास की पहचान करना।

(झ) बायोगैस संयंत्र का भ्रमण।

3. भ्रमण प्रतिवेदन

1. विद्यार्थी भ्रमण किए गए विभिन्न संस्थाओं का एक प्रतिवेदन तैयार करें और अपने कक्षा अध्यापक/अध्यापिका के समक्ष मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करें। प्रतिवेदन में विद्यार्थी का मौलिक कार्य और कथन होना चाहिए।
2. विभिन्न फसलों और खरपतवार के प्रजातियों का संग्रह तैयार करें। फसलों की पत्तियाँ और बीज सुखाकर फ्रेमयुक्त संग्रह शीट पर चिपकाएँ।

4. मौखिक परीक्षा

विद्यार्थियों से निम्नलिखित पर आधारित प्रश्न पूछे जा सकते हैं :

1. वस्तुओं की पहचान
2. भ्रमण प्रतिवेदन का विश्लेषण
3. क्षेत्र भ्रमण का अनुभव आदि

विद्यार्थी की प्रतिक्रिया के आधार पर 5 से 10 के बीच में प्रश्न पूछे जा सकते हैं। मूल्यांकन, प्रश्नों की संख्या के आधार पर होना चाहिए। मूल्यांकनकर्ता को समय और प्रश्नों की संख्या पर ध्यान देना चाहिए। 5x1 = 5 या ½x10 = 5

कृषि (कोड सं. 068)

कक्षा XII (2017-18)

(सैद्धांतिक)

एक प्रश्नपत्र **70 अंक**

इकाईवार अधिभार **समयावधि : 3 घंटे**

खंड	इकाई	कालांश	अंक
I	**उन्नत फसल उत्पादन और जैविक खेती** इकाई - I : उन्नत फसल उत्पादन इकाई - II : जैविक खेती	 42 24	25
II	**कटाई उपरांत प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन** इकाई - III : कटाई उपरांत प्रबंधन इकाई - IV : खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन	 12 52	25
III	**कृषि में सहायक उद्यम** इकाई - V : कृषि में सहायक उद्यम	40	20
	प्रायोगिक	50	30
	योग	**220**	**100**

खंड - I **66 कालांश**

इकाई - I : उन्नत फसल उत्पादन **42 कालांश**

- बागवानी फसलें सहित खाद्य उत्पादन एवं अर्थव्यवस्था तथा पोषण सुरक्षा में इसका महत्त्व।
- मृदा की उर्वरता, उत्पादकता और पौधों के पोषक तत्त्वों की अवधारणा। पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्त्वों का वर्गीकरण।
- पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्त्वों की भूमिका और कार्य, उनकी कमी के प्रमुख लक्षण।
- मृदा के नमूने और उनका प्रसंस्करण, मृदा pH और जैविक कार्बन का परिचय।
- खाद, उर्वरक, जैव-उर्वरक का परिचय, उनके उपयोग करने के तरीके, समेकित पोषक तत्त्व प्रबंधन की अवधारणा (आई.एन.एम.)।
- सिंचाई के विभिन्न विधियों में मृदा-नमी की उपलब्धता की अवधारणा, यथार्थ और दबाव सिंचाई - बूंद तथा फव्वारा सिंचाई की अवधारणा।
- कीट, कीटनाशक और रोग प्रबंधन की विधियाँ - रसायनिक, जैविक और यांत्रिक। एकीकृत कीटनाशक प्रबंधन (आई.पी.एम.) की अवधारणा।

इकाई - II : जैविक खेती **24 कालांश**

- जैविक खेती की अवधारणा, इतिहास और महत्त्व।
- वर्तमान स्थिति और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में इसका योगदान।
- जैविक रूप से उगाए गए महत्त्वपूर्ण खाद्य उत्पाद। हमारे देश में जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु महत्त्वपूर्ण सरकारी योजनाएँ। रसोई वाटिका।

खंड - II **64 कालांश**

इकाई - III : कटाई उपरांत प्रबंधन **12 कालांश**

- फल, सब्जी, फूल, अनाज, दाल और तिलहन की फसलों की कटाई उपरांत प्रबंधन। हमारे देश में खाद्य प्रसंस्करण की स्थिति।
- खाद्य के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण सरकारी योजनाएँ।

इकाई - IV : खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन **52 कालांश**

- खाद्य प्रसंस्करण और परिरक्षण के सिद्धांत एवं विधियाँ। खाद्य प्रसंस्करण के लाभ।
- फल, सब्जी, अनाज, दाल और तिलहन से बनने वाले महत्त्वपूर्ण मूल्य संवर्धित उत्पाद। जैम, जेली, चटनी, मुरब्बा, अचार और सॉस तैयार करना।

- डिब्बाबंदी (पैकेजिंग), गुणवत्ता मानक और निर्यात सहित उनका विपणन।
- फूल और उसकी कटाई/चुनाई : फूल उत्पाद की महत्त्वपूर्ण प्रक्रियाएँ - पैकेजिंग, भंडारण और उनका विपणन।
- सुरक्षित खाद्य और खाद्य नियमन की अवधारणा।

खंड - III **कालांश योग - 40**

इकाई - V : कृषि में सहायक उद्यम

- बागवानी सहित कृषि पर आधारित महत्त्वपूर्ण सहायक उद्यम और उनका व्यक्ति विशेष के सामाजिक-आर्थिक स्तर में महत्त्व।
- मशरूम, उसकी पौष्टिकता और उत्पादन की विधियाँ।
- मधुमक्खी पालन और उसका महत्त्व, शहद, मोम और शाही जेली का उपयोग और महत्त्व।
- घास के मैदान (लान) और तरुवीथि (एवेन्यू) का भू-सौन्दर्यीकरण, उसका विकास और रख-रखाव।
- जैव कीटनाशक (पादप आधारित), जैविक खाद (कम्पोस्ट) और कृमिखाद तैयार करना।
- पौधघर की स्थापना और पौध विपणन तथा इन उद्यमिताओं को बढ़ावा देने वाली महत्त्वपूर्ण सरकारी योजनाएँ।

कृषि (कोड सं. 068)

कक्षा XII (2017-18)

(प्रायोगिक)

प्रायोगिक प्रश्नपत्र **अंक : 30**

समयावधि : 3 घंटे

इकाईवार अधिभार **कालांश 50**

खंड	इकाई	कालांश	अंक
I	उन्नत फसल उत्पादन और जैविक खेती	22	08
II	फसल कटाई उपरांत प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन	14	06
III	कृषि में सहायक उद्यम	14	06
IV	संग्रह और भ्रमण प्रतिवेदन		05
V	मौखिक परीक्षा		05
	योग	**50**	**30**

खंड - । **22 कालांश**

इकाई - । : उन्नत फसल उत्पादन और जैविक खेती

(क) मृदा नमूना और मृदा pH का निर्धारण।

(ख) मृदा में जैविक कार्बन की मात्रा का निर्धारण।

(ग) पौधघर और बीजशैया की तैयारी।

(घ) फफूँदी नाशक और जैव उर्वरक से बीज उपचार।

(ड.) विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों, खादों और जैव उर्वरकों की पहचान।

(च) फसलों (गेहूँ चावल, मक्का के लिए) के पोषक तत्त्वों की आवश्यक के आधार पर उर्वरकों की आवश्यक मात्रा का निर्धारण।

(छ) एफ. वाई.एम. और कंपोस्ट की तैयारी।

(ज) कीट नियंत्रण और पोषक तत्त्वों के छिड़काव हेतु स्प्रे एवं डस्टर का उपयोग।

(झ) फसल बीज (गेहूँ, चावल, मक्का और सरसों) में नमी की मात्रा का निर्धारण।

(ञ) फसल बीज (गेहूँ, चावल, मक्का और सरसों) में 100 दानों का वजन ज्ञात करना।

(ट) फसल खेत का भ्रमण करना तथा स्वस्थ, रोगग्रस्त व कीट प्रभावित पौधों की तुलना करना।

(ठ) विभिन्न प्रकार के कीटनाशक, फफूँदीनाशक और खर-पतवार नाशकों की पहचान।

खंड - ॥

इकाई - ॥ : फसल कटाई उपरांत प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन **14 कालांश**

(क) स्थानीय चक्की, बेकरी यूनिट का भ्रमण।

(ख) जैम, जेली, चटनी और मुरब्बा तैयार करना।

(ग) फलों, सब्जियों और फूलों को सुखाना।

(घ) अचार तैयार करना।

(ड.) ताजा और बासी सब्जियों व फलों की पहचान।

(च) कोल्ड स्टोरेज का भ्रमण एवं विभिन्न फलों एवं सब्जियों के भंडार का अभिलेखन।

(छ) फूलों की कटाई/चुनाई और डिब्बाबंदी (पैकजिंग)।

(ज) माला और रंगोली के लिए फूलों की व्यवस्था की तैयारी।

(झ) किसी एक फूल मंडी का भ्रमण और वहाँ की गतिविधियों का अभिलेखीकरण।

(ञ) किसी स्थानीय फल बाजार (मंडी) का भ्रमण वहाँ की गतिविधियों का अभिलेखीकरण।

खंड - ॥।

इकाई - ॥। : कृषि में सहायक उद्यम **14 कालांश**

(क) पादप आधारित जैव कीटनाशक (नीम) की तैयारी।

(ख) मशरूम उत्पादन इकाई का भ्रमण।

(ग) किसी पास के मधुमक्खी पालन स्थान का भ्रमण और मधुमक्खी पालन प्रक्रिया का अभिलेखन।

(घ) विभिन्न मधुमक्खी उत्पाद (शहद और मोम) की विशेषताओं का अवलोकन।

(ड.) कृमि अपशिष्ट खाद (वर्मी कंपोस्टिंग) इकाई का भ्रमण।

(च) कंपोस्ट खाद की विशेषताओं का अवलोकन।

नोट :

1. विद्यार्थी भ्रमण के दौरान अवलोकित एवं अभिलेखित किए गए विषय पर एक प्रतिवेदन तैयार करेंगे।
2. फल और सब्जियों के परिरक्षण और फल और सब्जियों के मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन की विधि से संबंधित प्रायोगिक कार्य के मामले में विद्यार्थियों को अपनाई गई प्रक्रिया लिखनी होगी और प्रदान की गई उत्तर पुस्तिका में दी गई आवश्यक सावधानी बरतनी होगी।

खंड - IV

भ्रमण प्रतिवेदन

विद्यार्थियों को विभिन्न संस्थाओं के भ्रमण का प्रतिवेदन तैयार करना होगा और मूल्यांकन के लिए विषय अध्यापक को प्रस्तुत करना होगा। प्रतिवेदन में विद्यार्थी का मौलिक कार्य और टिप्पणियाँ अवश्य होनी चाहिए।

खंड - V

मौखिक परीक्षा

विद्यार्थियों से निम्नलिखित पर आधारित प्रश्न पूछे जा सकते हैं :

- वस्तुओं की पहचान
- भ्रमण प्रतिवेदन का विश्लेषण
- क्षेत्र भ्रमण आदि में उनके अनुभव।

विद्यार्थी की प्रतिक्रिया के आधार पर 5 से 10 के बीच में प्रश्न पूछे जा सकते हैं। मूल्यांकन, प्रश्नों की संख्या के आधार पर होना चाहिए। मूल्यांकनकर्ता को समय और प्रश्नों की संख्या पर ध्यान देना चाहिए। 5x1 = 5 या ½x10 = 5

कृषि (कोड सं. 068)

(सैद्धांतिक)

प्रश्नपत्र का प्रारुप

कक्षा XI (2017-18), कक्षा XII (2017-18)

समयावधि : 3 घंटे **अंक : 70**

क्र. सं.	प्रश्नों के प्रारूप वर्गीकरण	अधिगम परिणाम एवं परीक्षण कौशल	अति-लघुत्तर प्रश्न	लघुउत्तर प्रश्न - I	लघुउत्तर प्रश्न - II	दीर्घ उत्तर	अंक	प्रतिशत
			1 अंक	2 अंक	3 अंक	5 अंक		
1.	**स्मरण -** (ज्ञान आधारित सरल स्मरण प्रश्न, विशिष्ट तथ्यों, पारिभाषिक शब्द, अवधारणाओं, सिद्धांतों या नियमों को पहचानने, परिभाषित करने या वर्णन करने, सूचना जानने मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न की पहचान एवं अवस्थिति)	• तर्क • विश्लेषणात्मक कौशल	3	1	1	1	13	19%
2.	**समझ -** (बोध - अर्थों से परिचित होने तथा अवधारणाओं को समझने, विवेचन करने, तुलना करने, विषमता दिखाने, व्याख्या करने, सूचना वर्णन)		3	1	3	2	24	34%
3.	**अनुप्रयोग -** (मूर्त परिस्थिति में अमूर्त सूचनाओं का उपयोग, नई परिस्थिति में ज्ञान का उपयोग, परिस्थिति की व्याख्या के लिए दी गई सामग्री का उपयोग, उदाहरण देना, या समस्या का समाधान करना)		2	-	2	2	18	26%
4.	**उच्च स्तरीय चिंतन कौशल -** (विश्लेषण एवं संश्लेषण - वर्गीकृत करना, तुलना करना, विषमता बताना, या विविध सूचनाओं के अंशों के बीच भेद करना, व्यवस्थित करना तथा/या विविध स्रोतों से सूचना के मौलिक अंशों को एकीकृत करना)		-	1	1	1	10	14%
5.	**मूल्यांकन -** (किसी निर्णय या परिणाम का मूल्य या कीमत आंकना, न्याय, और / या औचित्य सिद्धि, या मूल्यों के आधार पर परिणामों की भविष्यवाणी करना)		1	2	-	-	5	7%
			9x1=9	5x2=10	7x3=21	6x5=30	70	100%

नोट : अध्यायवार अंकभार नहीं दिया गया है, इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि सभी अध्यायों को शामिल किया जाए।